Downloaded from www.studiestoday.com

अध्याय-8

पर्यावरण और प्राकृतिक संसाधन

स्मरणीय बिन्दु-

पर्यावरण = परि + आवरण (वह आवरण जो वनस्पति तथा जीवन+जन्तुओं को ऊपर से ढके हुए हैं।

संसाधन = मनुष्य के उपयोग के साधन

प्राकृतिक संसाधन :- प्रकृति द्वारा प्रदत्त मनुष्य के उपयोग के साधन

विश्व राजनीति में पर्यावरण की चिंता-

1. घटता कृषि योग्य क्षेत्र तथा घटती कृषि भूमि की उर्वरता।
2. घटते मत्स्य भण्डार, जल प्रदूषण के कारण व जल की कमी।
3. घटते जल स्रोत तथा अनाज उत्पादन, प्रदूषण के कारण
4. घटते वनों से जैव विविधता को हानि तथा प्रजातियों का विनाश।
5. घटती समुद्र पर्यावरण की गुणवत्ता समुद्रीयतटीय इलाकों में मनुष्यों की सघन बसाहट।
6. बढ़ती वैश्विक तापमान के कारण बढ़ता समुद्र जल तल
7. बढ़ता ओजोन परत का छेद परिस्थितिकी तंत्र व मनुष्य के स्वास्थ्य पर खतरा।

पर्यावरण की जागरूकता तथा सम्मेलन

सम्मेलन का नाम	*वर्ष*	*स्थान*	*प्रस्ताव*
1. क्लब ऑफ रोम	1972	रोम	'लिमिट टू ग्रोथ' (बढ़ती जनसंख्या से प्राकृतिक संसाधनों का विनाश)
2. संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP)	1975	रोम	सदस्य देशों के पर्यावरण की रक्षा, भूमि गुणवत्ता बरकरार, मरुस्थल का प्रसार रोकना

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

3.	स्टॉक होम सम्मेलन (प्रथम महत्वपूर्ण सम्मेलन	1972	स्टॉक होम (स्वीडन)	मानवीय पर्यावरण घोषणा, कार्ययोजना परमाणु शस्त्र परीक्षण प्रस्ताव, विश्व पर्यावरण दिवस प्रस्ताव
4.	नैरोबी घोषणा	1982	नैरोबी	विलुप्त वन्य जीव व्यापार, प्राकृतिक संसाधन व सम्पदा, समुद्र प्रदूषण के प्रावधान
5.	बर्ट लैण्ड रिपोर्ट	1987	बर्ट लैण्ड	'आवर कॉमन फ्यूचर' विकास की वर्तमान प्रक्रिया टिकाऊ नहीं।
6.	पृथ्वी सम्मेलन	1992	रियोडी जेनेरो (ब्राजील)	(अजेण्डा-21) - जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता, वानिकी के नियम, पर्यावरण रक्षा, साक्षी जिम्मेदारी टिकाऊ विकास, उत्तर दक्षिण विवाद।
7.	विश्व जलवायु परिवर्तन बैठक	1997	नई दिल्ली	पर्यावरण संरक्षण में सभी वर्ग शामिल हों तथा व्यावहारिक सोच हो।
8.	क्योटो प्रोटोकाल	1997	जापान	औद्योगिक देश ग्रीन हाऊस गैस उत्सर्जन कम करें
9.	ब्यूनस आयर्स बैठक	1998	अर्जेंटीना	क्योंटो प्रोटोकॉल की समीक्षा, विलासिता व आवश्यकता में अंतर हो।
10.	जोहान्सबर्ग पृथ्वी सम्मेलन	2002	जोहान्सबर्ग (द. अफ्रीका)	जल स्वच्छता, वैकल्पिक ऊर्जा, जैव विविधता, पर्यावरण संरक्षण
11.	भूमण्डलीय जलवायु परिवर्तन सम्मेलन	2007	बाली (इंडोनेशिया)	ग्रीन हाऊस गैस उत्सर्जन कम, धनी देश गरीब देशों को साफ सुथरी तकनीक दे। जलवायु परिवर्तन कोष बने

जिम्मेदारी साझी, भूमिकायें अलग-अलग-

1. उत्तरी गोलार्द्ध के विकसित देशों का तर्क - पर्यावरण रक्षा सबकी जिम्मेदारी, इसके लिए विकास कार्यों पर प्रतिबन्ध लगाना सबका समान दायित्व है।

2. दक्षिण गोलार्द्ध के विकासशील देशों का तर्क- विकास प्रक्रिया के दौरान विकसित देशों ने पर्यावरण प्रदूषित किया है इसकी क्षतिपूर्ति भी वे ही करें। विकासशील देशों के सामाजिक आर्थिक विकास को ध्यान में रखा जाये।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

3. अमरीका और चीन प्राकृतिक संसाधनों का दोहन करने वाले सबसे बड़े देश है जबकि अफगानिस्तान और मालवी जैसे दश इस सूची में सबसे नीचे आते हैं. इस बीच चीन ने पहली बार ये माना है कि ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन के मामले में अब वो अमेरिका के बराबर आ गया है. मगर साथ ही चीन ये भी दोहराना नहीं भूला कि प्रति व्यक्ति उत्सर्जन के हिसाब से अगर देखेंगे तो वो अमेरिका से कहीं पीछे है. उधर डब्ल्यूडब्लूएफ संगठन के प्रमुख एमेका अन्योकू ने कहा कि चादर से लंबे पैर फैलाने के नतीजे हम पिछले कुछ महीनों की घटनाओं में देख चुके हैं और वित्तीय संकट से हुआ नुकसान प्राकृतिक संसाधनों को हो रहे नुकसान के आगे कुछ नही रह जाएगा।

पर्यावरण संरक्षण तथा भारत-

1. प्राकृतिक संतुलन की संस्कृति - पीपल, तुलसी, गाय, सांप, बन्दर की पूजा
2. विश्व पर्यावरण संरक्षण प्रयासों में भागीदारी
3. ऊर्जा संरक्षण अधिनियम-2001
4. पुनर्नवीकृत ऊर्जा प्रयोग बढ़ावा
5. स्वच्छ इंजन, प्राकृतिक गैस प्रदूषण रहित तकनीक पर जोर (नेशनल आटो - फयूल पालिसी)
6. बायो डीजल की योजना
7. परमाणु ऊर्जा को बढ़ावा
8. राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड
9. क्योटों प्रोटोकॉल पर हस्ताक्षर 2002 में
10. 2003 के बिजली अधिनियम में पुनर्नवा ऊर्जा के इस्तेमाल को बढ़ावा।

राजनीति में संसाधन :- जिस देश के पास जितने संसाधन होंगे उसकी अर्थव्यवस्था उतनी ही मजबूत होगी।

(A) इमारती लकड़ी - पश्चिम देशों ने किश्तियों, जलपोतों के निर्माण के लिए दूसरे देशों के वनों पर कब्जा किया ताकि उनकी नौ सेना मजबूत हो और विदेश व्यापार बढ़े।

(B) तेल भण्डार - विकसित देशों ने तेल की निर्बाध आपूर्ति के लिए समुद्री मार्गों पर सेना तैनात की।

(C) जल - विश्व के कुछ भागों में जीवनदायिनी संसाधनों का अभाव है।

मूलवासी :- वे लोग जो किसी देश में बहुत पहले से रहते आये हों परन्तु बाद में दूसरे देश के लोग वहां आकर इन लोगों को अपने अधीन कर लिया हो। मूलवासी अपना जीवन विशिष्ट सामाजिक आर्थिक

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

सांस्कृतिक रीति रिवाजों के साथ बिताते हैं।

1975 में मूलवासियों का संगठन World Council of Indigeneous People बना। 1980 में उसने अपनी सरकारों से मांग की कि–

1. मूलवासी कौम के रूप में मान्यता
2. अन्य वर्गों के साथ समानता
3. अपनी संस्कृति की सुरक्षा का अधिकार दें।
4. अपने स्थान व उत्पाद के स्वामी हों।
5. विकास के कारण विस्थापित न किये जायें।

वर्तमान संदर्भ–

वर्ल्ड वाइल्ड फंड (डब्ल्यूडब्लयूएफ) यानी विश्व वन्य प्राणी कोष ने अपनी ताजा रिपोर्ट में कहा है कि अगर दुनिया भर में प्राकृतिक संसाधनों को मौजूदा रफ्तार से ही इस्तेमाल करने का चलन जारी रहा तो अगले तीस साल में इस जरूरत को पूरा करने के लिए दोगुना अधिक संसाधनों की जरूरत होगी।

द लिविंग प्लैनेट नामक ताजा रिपोर्ट में पर्यावरणविदों ने चेतावनी दी है कि प्राकृतिक संसाधनों का यह संकट मौजूदा वित्तीय संकट से कहीं ज्यादा गंभीर होगा. रिपोर्ट के मुताबिक हालांकि अभी दुनिया का पूरा ध्यान आर्थिक उथल–पुथल पर लगा है मगर उससे भी बड़ी एक बुनियादी मुश्किल हमारे सामने आ रही है औश्र वो है प्राकृतिक संसाधनों की भारी कमी की. इस अध्ययन का तर्क है कि शेयर बाजार में हुए 20 खरब डॉलर के नुकसान की तुलना अगर आप हर साल हो रहे 45 खरब डॉलर मूल्य के प्राकृतिक संसाधनों के नुकसान से करें तो ये आर्थिक संकट का ऑकड़ा बौना साबित होता है। रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया की तीन चौथाई आाबादी पानी, हवा और मिट्टी का बेतहाशा इस्तेमाल कर रही है। इसके अलावा जंगल जितनी तेजी बढ़ नही रहे हैं उससे ज्यादा तेजी से काटे जा रहे है, समुद्र में जितनी तेजी से मछलियां बढ़ नहीं रही है उससे ज्यादा तेजी से मारी जा रही है. डब्लयूडब्लयूएफ के प्रवक्ता कॉलिन बटफील्ड का कहना है कि आम लोग बदलाव के अभियान में भाग लेकर एक बड़ा अन्तर पैदा कर सकते है।

चीन अमेरिका जिम्मेदार–

बटफील्ड ने कहा ''आर्थिक संकट के मामले में हमने देखा है कि अगर नेता चाहे तो वैश्विक स्तर पर वे मिलजुलकर काम कर सकते है और जल्दी कर सकते है, व्यापक संसाधन जुटा सकते है, हम चाहते है कि इसका इस्तेमाल दरसल वित्तीय संकट से भी बड़े और दीर्घकालिक संकट से निबटने में किया जाता है।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

एक अंकीय प्रश्न :-

1. विश्व राजनीति में पर्यावरण के मुद्दे ने कब जोर पकड़ा?
2. लिमिट्स टू ग्रोथ' नामक पुस्तक किसने प्रकाशित की?
3. 'आवर कॉमन फ्यूचर' नामक रिपोर्ट में क्या संकेत दिया गया?
4. साझी सम्पदा किसे कहते हैं?
5. विश्व की साझी सम्पदा से आपका क्या अभिप्राय है?
6. विश्व जलवायु के संदर्भ में अंटार्कटिक महाद्वीप की क्या उपयोगिता है?
7. तापवृद्धि करने वाली गैसों के नाम लिखिये।
8. पानी के बंटवारे को लेकर किन देशों में संघर्ष हुआ?
9. विश्व की साझी सम्पदा के कुछ उदाहरण दीजिए।
10. भारत में ऊर्जा संरक्षण अधिनियम कब पारित किया गया?
11. निम्न रिक्त स्थान पूरा करो:-

    1992 में पर्यावरण के मुद्दे पर 170 देश, हजारों संगठन तथा उनके बहुराष्ट्रीय कम्पनियों ने ..... ने भाग लिया।
12. मूलवासियों के विश्व व्यापी संगठन का नाम क्या है।
13. अंटार्कटिका महाद्वीप कितने किमी. में फैला है?
14. 1970 के दशक में अफ्रीका की सबसे बड़ी विपदा क्या थी?

दो अंकीय प्रश्न :-

1. विश्व का पहला बांध विरोधी आन्दोलन कब तथा कहां हुआ?
2. साझी सम्पदा का आकार क्यों घट रहा है?
3. पर्यावरण की दृष्टि से वनों का क्या महत्व है?
4. अजेण्डा 21 किस मुद्दे से संबंधित है? प्रकाश डालिए।
5. मूलवासी कौन लोग होते हैं?
6. भारत में मूलवासियों के लिए क्या नाम दिया गया है? कुल जनसंख्या में उनका कितना प्रतिशत है?
7. पृथ्वी सम्मेलन में किस बात पर सहमति बनी।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

8. ऐसे दो देशों के नाम बताओ जिनको क्योटों प्रोटोकॉल की शर्तों से अलग रखा गया।

9. भारत में कौन-कौन से बांध विरोधी आन्दोलन चलाये गये?

10. किन-किन संसाधनों पर भू राजनीति की गई?

11. पर्यावरण प्रदुषित होने के दो कारण बताइये?

चार अंकीय प्रश्न :-

1. पृथ्वी सम्मेलन के क्या परिणाम हुए?

2. पर्यावरण को लेकर उत्तरी तथा दक्षिणी गोलार्द्ध के देशों में क्या विवाद है? अपने विचार प्रकट कीजिए।

3. 1970 के दशक से विश्व में पर्यावरणीय आन्दोलन क्यों हो रहे हैं? अपने विचार प्रकट कीजिए।

4. विश्व में बांध विरोधी आन्दोलन क्यों आरंभ हो रहे हैं?

5. विश्व की साझी सम्पदा की रक्षा के लिए कौन-कौन से समझौते किये गये?

6. टिकाऊ (अक्षय) विकास क्या है? इसको कैसे लागू किया जा सकता है?

7. मूलवासियों की मुख्य मांग क्या है?

8. प्रस्तुत कार्टून का विश्लेषण करके इस पर अपने विचार प्रकाट कीजिए।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

छः अंकीय प्रश्न :-

1. विश्व के देश प्रकृति की रक्षा के लिए क्यों चिन्तित है?
2. विश्व में पर्यावरण प्रदूषण के क्या कारण है तथा इसका संरक्षण कैसे किया जा सकता है? विचार प्रकट करें।
3. अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर पर्यावरण संरक्षण के क्या प्रयास किये गये? उल्लेख करें।
4. साझी जिम्मेदारी लेकिन भूमिकायें अलग-अलग से आपका क्या अभिप्राय है? भारत की इस मुद्दे पर क्या राय है?
5. भारत ने पर्यावरण संरक्षण के लिए क्या नीति अपनाई है? अपने विचार प्रकट करें।

एक अंकीय प्रश्नों के उत्तर :-

1. 1960 के दशक में
2. क्लब ऑफ रोम
3. आर्थिक विकास के वर्तमान तरीके आगे चलकर टिकाऊ साबित नहीं होंगे।
4. जिन संसाधनों पर एक व्यक्ति की बजाय पूरे समुदाय का अधिकार हो।
5. वह क्षेत्र जो एक देश की सम्प्रभुता से बाहर हो तथा उसका प्रबन्ध अन्तराष्ट्रीय समुदाय द्वारा किया जाय।
6. विश्व जलवायु का संतुलन करना।
7. कार्बन डाई आक्साईड, हाईड्रो-फ्लोरोकार्बन तथा मिथेन
8. इजराईल, जार्डन, सीरिया
9. पृथ्वी का वातावरण, अंटार्कटिका, समुद्री सतह व बाह्य अन्तरिक्ष
10. सन् 2011 में
11. रियो-डी-जेनेरिओ में पृथ्वी सम्मेलन
12. 'वर्ल्ड काउंसिल ऑफ इंडिजिनस पीपल'
13. एक करोड़ 40 लाख वर्ग किमी. क्षेत्र
14. अनावृष्टि

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

दो अंकीय प्रश्नों के उत्तर :-

1. 1980 के दशक में आस्ट्रेलिया में फ्रेंकलिन नदी तथा इसका वनक्षेत्र बचाना।
2. निजीकरण, जनसंख्या वृद्धि, परिस्थितिकी तन्त्र की गिरावट तथा सघन खेती।
3. जलवायु को संतुलित, जल चक्रसंतुलित, जैव विविधता तथा भूमि को बंजर होने से बचाना।
4. पृथ्वी सम्मेलन में पर्यावरण के 21 प्रस्तावों से सम्बन्धित
5. स्मरणीय बिन्दु देखें।
6. अनुसूचित जनजाति या आदिवासी, 08 प्रतिशत
7. आर्थिक वृद्धि से पर्यावरण हानि न हो।
8. भारत तथा चीन
9. नर्मदा बचाओ तथा टिहरी बचाओ
10. (i) तेल भण्डार पेट्रोलियम
    (ii) खनिज पदार्थ
    (iii) लकड़ी
    (iv) जल
11. (1) प्राकृतिक संसाधनों का अन्धाधुन्ध दोहन (2) वनों की निरंतर कटाई।

चार अंकीय प्रश्नों के उत्तर :-

1. स्मरणीय बिन्दु देखें।
2. स्मरणीय बिन्दु सांझी जिम्मेदारी भूमिकायें अलग-अलग
3. (A) प्रदूषण
   (B) वनों की कटाई
   (C) प्राकृतिक असन्तुलन
   (D) संसाधनों का स्वार्थपूर्ण दोहन
   (E) विकास परियोजनाओं के दुष्परिणाम
4. (A) नदियों तथा वनों को बचाना
   (B) विस्थापन की समस्या
   (C) उस क्षेत्र के जीवन जन्तुओं पक्षियों व संस्कृति को बचाना
   (D) प्राकृतिक सन्तुलन के लिए

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

5. (A) 1959 में अंटार्कटिका सन्धि
   (B) 1987 मेमान्ट्रियल प्रोटोकॉल
   (C) 1991 में अटार्कटिका पर्यावरणीय प्रोटोकॉल
   (D) 1997 क्योटों प्रोटोकॉल

6. टिकाऊ विकास – प्राकृतिक संसाधनों का ऐसे प्रयोग करना कि वर्तमान पीढ़ी की आवश्यकतायें पूरी हो जायं और भविष्य की पीढ़ी के लिए भी बचे रहें।
   (A) अपरिग्रह की भावना (आवश्यकताओं में कमी)
   (B) आवश्यकतानुसार उत्पादन
   (C) प्राकृतिक सह अस्तित्व
   (D) प्राकृतिक साधनों का उचित और पूर्णत: प्रयोग

7. स्मरणीय बिन्दु देखें।

8. एक देश दूसरे देश से पुननिर्माण का खर्च पेट्रोलियम भाग रहा है जिस पर वर्तमान में विश्व अर्थव्यवस्था निर्भर है पेट्रोलियम पर कब्जा करने के लिए राजनीतिक संघर्ष किया जाता है।

छ: अंकीय प्रश्नों के उत्तर :-

1. स्मरणीय बिन्दु देखें।

2. प्रदूषण के उत्तरदायी कारण –
   (A) जनसंख्या वृद्धि
   (B) भौतिकवादी विचार धारा
   (C) औद्योगिकीकरण
   (D) वनों की कटाई
   (E) संसाधनों का अति दोहन

   संरक्षण के उपाय
   (A) जन संख्या नियंत्रण
   (B) वन संरक्षण
   (C) पर्यावरण मित्र तकनीक का प्रयोग
   (D) संसाधनों का संतुलित प्रयोग
   (E) परिवहन के सार्वजनिक साधनों का प्रयोग
   (F) जन जागरुकता के कार्यक्रम
   (G) अन्तराष्ट्रीय सहयोग

3. स्मरणीय बिन्दु देखें

4. स्मरणीय बिन्दु देखें

5. स्मरणीय बिन्दु देखें

Downloaded from www.studiestoday.com